

से कार्य करने लगती है। सामाजिक समाज
वैज्ञानिकों में इसे अपने अपने ढंग से
परिभाषित करने की कोशिश की है।

Durkheim के अनुसार "सामाजिक विचारण
समाज के सदस्यों में सामाजिक बंधन के अभाव
के सामाजिक असंतुलन की स्थिति है।"

Elliot & Merrell के अनुसार "सामाजिक
विघटन एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक समूह के
सदस्यों के बीच सम्बन्ध टूट जाते हैं।"

Fovrie के अनुसार "सामाजिक विघटन
व्यक्तियों के बीच प्रकाशात्मक सम्बन्धों के उस
मात्रा में टूट जाने की कहते हैं जिससे समूह
के स्वीकृत कार्यों की पूरा करने में बाधा
पड़ती है।"

Thomas & Znaniecki के अनुसार
"सामाजिक विघटन समूह के सदस्यों पर से
समाज के मौजूदा नियमों के प्रभाव का कम
होना है।"

Faurehuld के अनुसार "सामाजिक
विघटन का अर्थ स्थापित समूह व्यक्तियों
परिचाली सदस्यों या नियंत्रकों की क्रिया
शीलता के असंतुलन तथा अव्यवस्था है।"

Alburn and Nemkoff के अनुसार
"जब संस्कृति के स्वीकृत अंगों के बीच
सम्बन्धों की मध्यवर्ती अव्यवस्था ही जाती है
तो सामाजिक विघटन उत्पन्न होता है।"

इन परिभाषाओं के अध्ययन से
यह स्पष्ट है कि सामाजिक विघटन एक

ऐसी प्रथाएँ हैं जिससे जनता समूह अथवा समाज के सदस्यों के पारस्परिक सम्बन्धों में लगे हैं और उनके व्यवहार को नियंत्रित करने वाले आदिम एवं सामाजिक नियमों को प्रभावित किया जाता है। परिणामस्वरूप समाज की संरचना का स्वरूप बदल जाता है और लोगों को घेर पड़ती है।

समाजिक विप्लव के लक्षण

- ① नौकराचारों एवं सदस्यों का संघर्ष
- ② एक समूह से दूसरे समूहों के कार्यों का हस्तान्तरण
- ③ व्यक्तिकरण
- ④ व्यक्तियों की भूमिका एवं प्राथमिकता में परिवर्तन
- ⑤ एकता का टूटना
- ⑥ सामाजिक नियंत्रण के साधनों का प्रभाव कम होना
- ⑦ प्रस्थिति तथा भूमिका की अविशिष्टता
- ⑧ सामाजिक परिवर्तन में नीपता

समाजिक विप्लव के कारण

- ① अम विभाजन
- ② सामाजिक नियमों का उल्लंघन
- ③ आधुनिकीकरण
- ④ सांस्कृतिक विकल्प
- ⑤ प्राकृतिक विपदाएँ
- ⑥ युद्ध

(Q1) अनुवांशिक ढरजाक का संस्कृतन से
समासोजन

Forms of Social Secorization

- (1) धात्मक विपजन
- (2) परिवारिक विपजन
- (3) धामिक विपजन
- (4) सांस्कृतिक विपजन
- (5) आधुनिक विपजन
- (6) सामुदायिक विपजन
- (7) राजनीतिक विपजन

— X —